पंद्रहवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 1020 ग्राम होना चाहिए।
2. प्रकाश 12 घण्टे।
3. मुर्गीयां स्वस्थ है, शारीरिक भार सामान्य है या नही, आहार की खपत ठीक है या नही इन बातों का निरिक्षण कर लेना चाहिए।
4. फाउल पाक्स टीकाकरण मांसपेशियों में देना चाहिए।

सोलहवां सप्ताह :-

1. शारीरिक वजन 1080 ग्राम तक होना चाहिए।
2. प्रकाश 12 घण्टे।
3. अंतिम बार चोंच काटना (डीविकिंग) करना एवं डीविकिंग के तनाव से बचाना व अतिरिक्त विटामिन की मात्रा देना चाहिए।

सत्रहवां सप्ताह :-

1. शारीरिक वजन 1120 ग्राम तक होना चाहिए।
2. प्रकाश 12 घण्टे।
3. मुर्गीयों के समूह से बांध या कुड़क मुर्गीयों को अलग कर देना चाहिए।
4. अण्डादेय मुर्गीयों को लेयर पिंजडों में स्थानांतरित कर देना चाहिए, जिसकी चौड़ाई 15 इंच, गहराई 12 इंच एवं उँचाई 18 इंच होना चाहिए।
5. प्री-लेयर मेस जिसमें 2.5 प्रतिशत कैल्शियम होता है वाला आहार देना चाहिए।

अठारहवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 1180 ग्राम होना चाहिए।
2. 11 से 12 घण्टे प्रकाश देना चाहिए।
3. क्रमीविहिनीकरण के लिये डिवर्मिंग दवा पानी में देना चाहिए।
4. प्री-लेयर मेस आहार देना चाहिए।

उन्नीसवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 1220 ग्राम होना चाहिए।
2. प्रकाश 11-12 घण्टे।
3. प्री-लेयर मेस दाना देना चाहिए।
4. यह देखना चाहिए कि अण्डों के उत्पादन में वृद्धि हो रही है कि नही।

बीसवां सप्ताह :-

1. शारीरिक भार 1290 ग्राम होना चाहिए।
2. प्रकाश 12 घण्टे+1 घण्टा प्रति 5 प्रतिशत अण्डोत्पादन बढ़ने पर देना चाहिए।
3. प्री-लेयर मेस दाना 5 प्रतिशत उत्पादन होने पर चालू करना चाहिए।
4. प्रति सप्ताह वजन बढ़ाने वाली दवा एवं विटामिन देना चाहिए।
5. मुर्गीयां अपने जीवन काल का पहला अण्डा इसी सप्ताह में देती है।

इक्कीसवां सप्ताह :-

1. प्रकाश प्रति सप्ताह 15 से 30 मिनिट तक बढ़ायें और 16.5 से 17 घण्टे तक ले जाना चाहिए।
2. संतुलित आहार उपयोग करना चाहिए।
3. सफाई का विशेष ध्यान देना चाहिए।

4.अण्डों का संचयन समय पर करते रहना चाहिए।
5.लसोटा टीकाकरण 8 से 12 सप्ताह के अंतराल में देते रहना चाहिए।

अण्डादेय कड़कनाथ मुर्गीयों में विद्युत (प्रकाश) कार्यक्रम

जब तक की मुर्गीयों का वजन 1300 ग्राम न हो जाये तक तक दिन की बिजली में वृद्धि नही करना चाहिए। प्रकाश के माध्यम से मुर्गीयों की अण्डोत्पादन क्षमता को सुदृढ़ व परिपक्व बनाया जाता है। जिससे मुर्गीयां 19 वें सप्ताह से अण्डोत्पादन शुरु कर देती है एवं 20 वें सप्ताह में मुर्गी का वजन 1300 ग्राम हो जाता है सबसे ज्यादा अण्डोत्पादन 36 वें सप्ताह से मिलता है इसलिये प्रकाश में वृद्धि 20 वें सप्ताह से शुरु कर देना चाहिए।

आयु	प्रतिदिन बिजली देने का समय
1-2 दिन	22 घण्टे
3-4 दिन	20 घण्टे
5-6 दिन	18 घण्टे
7-14 दिन	16 घण्टे
15-21 दिन	14 घण्टे
22-28 दिन	12 घण्टे
29-133 दिन	10-12 घण्टे
20 सप्ताह	11.5 घण्टे
21 सप्ताह	12 घण्टे
22 सप्ताह	12.5 घण्टे
23 सप्ताह	13 घण्टे
23 से 28 वें सप्ताह के बीच में	13+आधे घण्टे बिजली में वृद्धि प्रति सप्ताह करना चाहिए जब तक प्रकाश समय 16-17 घण्टे न हो जाये।

कड़कनाथ कुक्कुटों में होने वाली बीमारियां-

कुक्कुट में लगने वाले रोग निम्न प्रकार के होते है।

- मुर्गियों के रोग
  - संक्रामक
    - जीवाणुओं जनित बीमारियां
    - विषाणुजनित बीमारियां
  - असंक्रामक
    - खाद्य अवयवों की कमी के कारण
    - परजीवियों के कारण